Remove Watermark Now

DRAUPADI
Rehabilitation
Empowerment
Awareness
Medi-care
TRUST

Empowering at Every Level

Workshop on Skill Development for Herbal Medicine Plants

26th December 2007 - 11 February 2008

Workshop on **Skill Development for Herbal Medicinal** plants in Vill.Kampilya was organized from 26th Dec, 07 in two groups for 40 days supported by DST (Department of Science & Technology). This workshop which lasted for over two months was inaugurated by the Vice Chancellor of the Chandra Shekhar Azad Agriculture University, Kanpur, Prof. Dr. V.K. Suri. He was kind enough also to help the Trust by providing knowledge support through some faculty members and the Farrukhabad branch of KVK.

Prof. Dr. Suri, VC CSAAU with his team of knowledge support and Smt. Mithilesh Aggarwal, Chairperson Kaimgunj Nagar Palika at the Inaugural of the Skill Dev. Prog.

Prof Dr. V. C. Suri, Vice Chancellor CAAU, Kanpur delivering the Ianugural address.

Dignitarories at the Inauguration

Participants at the Inauguration

Prof. Suri being felicitated by Draupadi Trust Chairperson Ms. Neera Misra

■ कायमगंज : सीपी गेस्ट हाउस में आयोजित हर्बल प्लान्ट्स प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मौजूद मुख्य अतिथि सी.एस.ए.यू. के उपकुलपति प्रो. डा. वीके सूरी, द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा, समर्पण सेवा समिति की सचिव डा. मिथलेश अग्रवाल, प्रधानाचार्य पी रस आदि। (फोटो : एसएनबी)

आसपास

फर्रुखाबाद

राष्ट्रीय सहारा, कानपुर, बृहस्पतिवार, 27 दिसम्बर, 20

सहारा न्यूज ब्यूरो

कायमगंज, 26 दिसम्बर। नगर के सीपी गेस्ट हाउस में द्रोपदी ट्रस्ट दिल्ली व समर्पण सेवा समिति कायमगंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'औषधीय पौधों की कृषि भूमिका एवं भविष्य' पर किसानों के लिये एक प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. डा. वीके सूरी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. वीके सिंह निदेशक चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी

हर्बल मेडिकल प्लांट्स से लाभान्वित होंगे कृषक : डा. सूरी

सहारा न्यूज ब्यूरो

कायमगंज, 26 दिसम्बर। नगर के सीपी गेस्ट हाउस में द्रोपदी ट्रस्ट दिल्ली व समर्पण सेवा समिति कायमगंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'औषधीय पौधों की कृषि भूमिका एवं भविष्य' पर किसानों के लिये एक प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. डा. वीके सूरी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. वीके सिंह निदेशक चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय कानपुर, द्रोपदी ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा एवं समर्पण सेवा समिति की सचिव डा. मिथलेश अग्रवाल ने औषधीय पौधों तथा कम्पिल क्षेत्र के विषय में जानकारी दी। इसके साथ-साथ मुख्य अतिथि ने कम्पिल के जैन चिकित्सालय एवं सीपी विद्या निकेतन में किसानों के लिये 40 दिनों के लिये कार्यशाला के आयोजन में औषधीय पौधों की जानकारी एवं विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के उप कुलपति प्रो. डा. वीके सूरी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उप कुलसचिव डा. सूरी ने उपस्थित अभ्यर्थियों को सम्बोधित करते हुए हर्बल पौधों के महत्व एवं उपयोगिता पर गहन प्रकाश डालते हुए कहा कि हर्बल पौधों के प्रयोग का इतिहास उतना ही पुराना है जितना पृथ्वी पर मानव की उत्पत्ति।

भारतीयों द्वारा हर्बल पौधों के प्रयोग का सबसे पुराना प्रमाण आज से लगभग 7 हजार वर्ष पूर्व लिखे ऋग्वेद में विस्तार से मिलता है। इसके अलावा यजुर्वेद में लगभग 80 औषधीय पौधों तथा अथर्ववेद में 295 पौधों के प्रयोग एवं महत्व का वर्णन मिलता है। इसी तरह पुराणों, उपनिषदों, रामायण, महाभारत जैसे प्राचीन एवं धार्मिक रूप के महत्वपूर्ण ग्रन्थों में भी इन पौधों का वर्णन मिलता है। सर्व प्रथम आयुर्वेद शास्त्र यूनान और ईराक आदि पश्चिमी देशों के आयुर्वेदज्ञों की प्रेरणा का भी स्रोत रहा है। विभिन्न मतान्तरों के पश्चात यह निश्चित है कि चिकित्सा शास्त्र का आरम्भ पंचाल प्रदेश के तत्कालीन फर्रुखाबाद जनपद से ही हुआ। औषधीय पौधों का वर्षों से निरन्तर प्रयोग इस बात का प्रमाण है। एलोपैथिक जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धति में भी 100 से अधिक पौधों का सफलतापूर्वक प्रयोग हो रहा और इन पौधों से प्राप्त यौगिकों को विभिन्न प्रकार से असाध्य रोगों में सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। प्राकृतिक जड़ी बूटियां, रोग के निवारण के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य लाभ में भी अत्यन्त उपयोगी साबित हो रही है। आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में किये जा रहे नित्य नये प्रयोगों से यह सिद्ध हो गया है कि रोगों के निदान में औषधीय पौधों में पाये जाने वाले रसायनिक घटकों की क्रियाशीलता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह है। हर्बल पौधों की उपयोगिता को पुनः उसी शिखर पर पहुंचाने के लिये द्रोपदी ट्रस्ट दिल्ली की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा द्वारा जो कदम उठाया गया है वह बहुत सराहनीय कार्य है। इससे 'एक पंथ दो काज' जैसी बात पूर्ण रूप से सत्य हो जायेगी। क्योंकि जहां एक ओर हर्बल पौधों की उपयोगिता शिखर पर बनी रहेगी वहीं युवा काश्तकारों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर एवं द्रोपदी ट्रस्ट दिल्ली के बीच एम ओ यू साइन किया जा रहा है। इसके तहत अब द्रोपदी ट्रस्ट द्वारा आयोजित किये जाने वाली गोष्ठी आदि में विश्वविद्यालय द्वारा सहयोग किया जायेगा। जो कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि मैं द्रोपदी ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा को सहृदय धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनके द्वारा हर्बल औषधीय पौधों

■ 40 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उपकुलपति ने किया उद्घाटन

■ द्रोपदी ट्रस्ट एवं समर्पण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला

व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विजय कुमार डागा, पुखराज डागा, सेठ पालीवाल, डा. ओ पी सिंह, डा. शंकर सिंह, डा. कौशल कुमार, ड

दैनिक जागरण

कानपुर, 27 दिसम्बर, 2007

फर्रुखाबाद

लाभकारी औषधीय खेती अपनायें किसान

कायमगंज-फर्रुखाबाद, अप्र: चंद्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर बी.के. सूरी ने कहा कि फर्रुखाबाद बहुत उपजाऊ क्षेत्र है यहां के किसानों को आलू, गन्ने पर ही आश्रित न रहकर लाभकारी औषधीय फसलों को अपनाना चाहिये। श्री सूरी सीपी. अतिथिगृह में द्रोपदी ट्रस्ट

• आलू व गन्ने पर आश्रित न रहने की सलाह

• कायमगंज को प्रदेश का दूसरा मलिहाबाद बताया

समारोह में मुख्य अतिथि डा बीके सूरी को स्मृति चिह्न देतीं नीरा मिश्रा व अन्य। जागरण